

سُورَةُ الْفَلَقِ

Surah 113 — Al-Falaq (The Dawn) · Meccan · 5 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ

(ऐ रसूल) तुम कह दो कि मैं सुबह के मालिक की

2

مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ

हर चीज़ की बुराई से जो उसने पैदा की पनाह माँगता हूँ

3

وَمِنْ شَرِّ غَاسِقٍ إِذَا وَقَبَ

और अंधेरीरात की बुराई से जब उसका अंधेरा छा जाए

4

وَمِنْ شَرِّ النَّفَّاثِ فِي الْعُقَدِ

और गन्डों पर फूँकने वालियों की बुराई से

5

وَمِنْ شَرِّ حَاسِدٍ إِذَا حَسَدَ

(जब फूँके) और हसद करने वाले की बुराई से